एम.ई.सी

एम.ए.
(अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य (2021-22)
द्वितीय् वर्ष
(जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्र हेतु)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली -110 068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य (2021-22)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30% है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40% अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य(टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

जमा कराना

पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

जुलाई 2021 चक्र के विद्यार्थियों के लिए:	**31.03.2022**
जनवरी 2022 चक्र के विद्यार्थियों के लिए:	**30.09 .2022**

एमईसी-006 : लोकार्थ अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.सी-006
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी-006/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2021-22
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' के प्रश्नों के 20–20 अंक हैं (शब्द सीमा 500 प्रत्येक) और भाग 'ख' के प्रश्नों के 12–12 अंक हैं (शब्द सीमा 300 प्रत्येक) गणितीय प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होगी?

भाग–क

1. 'लोक चयन' तथा 'सामाजिक चयन' में संबंध की चर्चा करें।

2. संक्षेप में 'अंतर्राष्ट्रीय नीति समन्वय' की समस्याएँ समझाएं।

भाग–ख

3. सरकार की वे भूमिकाएं समझाएं जिन पर इसका (सरकार का) आर्थिक तर्क आधारित है।

4. 'बहुलतापूर्ण संतुलन' की संकल्पना पर एक टिप्पणी लिखें।

5. क्या आप सहमत हैं कि 'राजकोषीय स्पर्धा' से दक्षताहीनता पैदा हो सकती है? चर्चा करें।

6. प्रत्यक्ष कराधान में 'दक्षता और समता'' स्पष्ट करें।

7. उत्पादन और वितरण पर ''आंतरिक लोक ऋण'' के प्रभाव की व्याख्या करें।

एम.ई.सी.-106 : लोकार्थ अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–106
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.106/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2021-22
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 500 शब्द है)। भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द है)। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

भाग – क

1. दर्शाएं कि स्पर्धी बाज़ार में आर्थिक नीतियों के क्षेम शास्त्रीय आधार पैरेटो की कसौटी द्वारा निर्देशित रहते हैं।

2. राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियों में अंतर्राष्ट्रीय नीति समन्वय के परिच्छालन प्रभावों पर चर्चा करें।

भाग – ख

3. विशेष गुण पदार्थों और विशेष अवगुण पदार्थों में भेद करें। यह भी समझाएं कि विशेष गुण पदार्थों के उपभोग को बढ़ावा क्यों देते हैं तथा अवगुण पदार्थों के उपभोग को हतोत्साहित क्यों करते हैं?

4. सार्वजनिक क्षेत्र में उत्पादन के लिए संसाधन नियतन से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा करें।

5. संक्षेप में बताएं कि निस्केनन की बजट अधिकतम विधि में सार्वजनिक व्यय के आकार का निर्धारण कैसे होता है?

6. भारत के राजकोषीय संघवाद की तुलना कुछ अन्य देशों प्रचलित ऐसी व्यवस्थाओं से करें।

7. एंजल वक्र के दो अनुप्रयोग स्पष्ट करें।

एमईसी–007 : अंर्तराष्ट्रीय व्यापर एवं वित्त

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–007
सत्रीय कार्य कोड : एमईसी–007/सत्रीय कार्य/2021–22
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है और भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का है।

भाग क

1. रिकार्डो के तुलनात्क लाभ सिद्धांत की आलोचनात्मक चर्चा कीजिएं यह एडम स्मिथ की पूर्ण लाभ सिद्धांत से कैसे भिन्न है?

2. व्यापार शर्तो के विभिन्न संकल्पनाओं को समझाइयें। प्रिबिश द्वारा समझाये गये व्यापार शर्तो के प्रवणताओं की तुलनाात्मक जाँच कीजिए।

भाग ख

3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के बहुकोण ढाँचे को समझाइयें। इसके मुख्य कारक को समझाइये।
4. आर्थिक एकीकरण के विभिन्न स्वरूप क्या हैं? व्यापार–परिवर्तन व्यापार–सृजन से किस प्रकार भिन्न है?
5. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली के उद्भव की व्याख्या कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा व वित्तीय प्राणाली के प्रवृत्तियों की जाँच कीजिए।
6. व्यापार रक्षा के विभिन्न औजारों की चर्चा कीजिए। कोटा तथा टैरिफ के बीच अंतर कीजिए।
7. स्थिर तथ चर विनिमय दरों के तुलनात्मक गुणों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।

एमईसी-008: सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.सी–008
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी–008 / ए.एस.टी / टी.एम.ए / 2019–20
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग–क में प्रत्येक प्रश्न 20–20 अंक का है और इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। भाग–ख के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना है। भाग–ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग–क

1. एक उचित उदाहरण द्वारा समझाएँ कि बाह्यताओं की मौजूदगी में उत्पादक का कीमत स्वीकारक व्यवहार भी संसाधन आवंटन में सदैव दक्षता नहीं ला पाता। आप इस समस्या का क्या समाधान सुझाएंगे?

2. वान्यिकी में कटाई की अभीष्ट आयु के निर्धारण की रूपरेखा बताएं। समझाएं कि इस संदर्भ में फॉस्टमैन की अपेक्षा हार्टमैन का प्रतिमान अधिक प्रतिप्राप्ति कैसे प्रदान करता है।

भाग – ख

3. धारणीय विकास की संकल्पना का 'सार' स्पष्ट करें।

4. वे तीन दशाएं समझाएं जहाँ जनहित में सरकारी हस्तक्षेप ज़रूरी होता है।

5. वर्तमान राष्ट्रीय लेखांकन व्यवस्था बताएं। यह भी समझाएं कि धारणीय विकास राष्ट्रीय लेखांकन दृष्टिकोण से यह क्यों त्रुटिपूर्ण है।

6. सांझा संपदा संसाधन प्रबंधन के प्रति 'द्यूत क्रीड़ा' दृष्टिकोण की सीमाओं पर संक्षेप में चर्चा करें।

7. लागत हितलाभ विश्लेषण अध्ययनों की समालोचना प्रस्तुत करें।

एमईसी-108: सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र

सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.सी–108
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी–108 / ए.एस.टी / टी.एम.ए / 2019–20
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग–क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है और इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। भाग–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना है। भाग–ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग–क

1. 'गुणवत्ता' चर की उपस्थिति में स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की आपूर्ति के लिए अभीष्टता की शर्तों की व्युत्पत्ति करें।

2. स्थिर लागत पर निष्कर्षण करने वाली खनन फर्म के लिए अपने लगान के वर्तमान मूल्य को अधिकतम स्तर पर ले जाने की शर्तों पर चर्चा करें।

भाग – ख

3. संसाधन दुर्लभता के सिद्धांतों की रूपरेखा बनाएं। बॉवर्स (1977) ने किन कारणों से इस दुर्लभता की अवधारणा को अमान्य किया था?

4. हिक्सीय धारणीयता तथा हार्टविक सोलो-धारणीयता में भेद स्पष्ट करें।

5. वैश्विक सांझा संपदा प्रबंधन के मुद्दों की व्याख्या करें।

6. स्वास्थ्य बीमा बाज़ार के संदर्भ में 'असममित सूचना', 'विपरीत चयन' और नैतिक द्वंद्व की संकल्पनाएं समझाइए।

7. पर्या प्रदूषण पर अनौपचारिक नियमनों की प्रभावोत्पादकर्ता इंगित करें।

एम.ई.सी.–109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–109
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-109/ए.एस.टी./2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है और इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

खंड – क

1. विज्ञान के निर्वचनात्मक दर्शन की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? अर्थशास्त्र से एक उपयुक्त उदाहरण का प्रयोग करके निर्वचनात्मक शोध विधि का प्रयोग करते हुए लभग 500 शब्दों में एक शोध प्रस्ताव लिखिये।

2. आँकड़े एकत्र करने के उपकरणों तथा आँकड़े एकत्र करने की विधियों में क्या अंतर है? यादृच्छिक प्रतिचयन की विधियों की चर्चा कीजिए। आप एक उपयुक्त प्रतिचयन की विधि का चयन कैसे करोगे?

खंड – ख

3. प्रतीपगमन प्रतिमान के कार्यात्मक रूपों को बताइये। आप प्रतीपगमन रेखीय प्रतिमान के आकलित प्रतीपगमन फलन β का निर्वाचन किस प्रकार करोगे?

4. लोरेंज वक्र की विशेषताओं (properties) को बताइये। किन स्थितियों में दो लोरेंज वक्रों के बीच तुलना दो वितरणों के मध्य असमानता की तुलना करने में असमर्थ होती है?

5. सहगामिता विश्लेषण क्या है? सहगामिता विश्लेषण में सम्मिलित विभिन्न चरणों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

6. सहभागिता शोध क्या है? सहभागिता शोध के अंतर्गत कौन-कौन से चरण सम्मिलित होते हैं?

7. रोज़गार पर आँकड़े प्रदान करने वाले विविध स्रोतों को बताइये। विभिन्न पंचवार्षिक सर्वेक्षणों में NSSO द्वारा प्रयुक्त रोज़गार एवं बेरोज़गारी के मापकों की व्याख्या कीजिये।

एम.ई.सी.ई.–001: अर्थमिति विधियाँ
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसीई–001
सत्रीय कार्य कोड :एमईसीई–001/2021–22
अधिकतम अंकः 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग क का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। भाग ख का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग क

1. कॉब–डगलस उत्पादन फलन पर विचार कीजिए, जो कि $Q = A\,K^{\alpha}\,L^{\beta}\,e^{u}$ है (मानक संकेतन लागू) जहाँ u प्रसंभाव्य त्रुटि शब्द है।
   i) α और β के लिए ओएलस (OLS) का आकलन ज्ञात कीजिए।
   ii) OLS आकलन की $\widehat{\beta}$ की मानक त्रुटि का पता लगाइए।
   iii) सिद्ध कीजिए कि ओएलएस आकलन β ब्लू (BLUE) है।

2. अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए कि इस विधि के प्रयोग से निम्नलिखित मॉडल का आकलन कैसे किया जा सकता है?

   माँग फलन $Q_t = \alpha_0 + \alpha_1 P_t + \alpha_2 X_t + u_{1t}$
   आपूर्ति फलन $Q_t = \beta_0 + \beta_1 P_t + u_{2t}$
   जहाँ Q = परिमात्रा, P = मूल्य और X = आय है।

भाग ख

3. बहुसंरेखता (multicollinearity) से आप क्या समझते हैं? आकलनों पर इसके क्या परिणाम है? इस समस्या के लिए आप क्या उपचारात्मक उपायो का सुझाव देते हैं?

4. परिवर्ती समाश्रयण मॉडल पर विचार कीजिए जहाँ त्रुटि शब्द $u_t = \varphi_1 u_{t-1} + \varepsilon_t$ का अनुसरण करता है, जहाँ $\varepsilon_t \sim N(0, \sigma^2)$
   i) उपर्युक्त मॉडल में आकलकों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
   ii) मॉडल के आकलन के लिए आप किसी एक अनुसरणीय विधि का वर्णन कीजिए।

5. सामान्यीकृत न्यूनतम वर्ग(जीएलएस) विधि के माध्यम से प्राचलों के आकलन में आप किन चरणों का अनुसरण करेंगें? स्पष्ट कीजिए।

6. गॉस–मार्कोव प्रमेय से आप क्या समझते है? गॉस–मार्कोव प्रमेय को सिद्ध करने के लिए किन अवधारणाओं का होना जरूरी है। समाश्रयण मॉडल $Y_i = \alpha + \beta X_i + u_i$ के लिए दर्शाइए कि यह प्रमेय β के आकलन के लिए सही है।

7. निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखिएः
   क) कोटि एंव क्रम (rank and order) स्थिति
   ख) आकलन की अधिकतम संभाव्य (maximum likelihood) विधि

एमईसीई-003:बीमांकी अर्थशास्त्र : सिद्धांत एवं व्यवहार

सत्रीय कार्य
(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसीई–003
सत्रीय कार्य कोड : एमईसीई–003/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2019–20
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग–क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है और इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। भाग–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना है। भाग–ख में प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग–क

1. युनिट संबंधित बीमा अनुबंधों में गारंटी रहित संदर्भ में सैद्धांतिक तर्काधार पर चर्चा करें।
2. जीवन बीमा और वार्षिकियों के लिए हितलाभ कोष कैसे निर्धारित होते हैं? चर्चा करें।

भाग – ख

3. मार्कोव प्रमेय का उदाहरण सहित वर्णन करें। इस परिणाम की प्राप्ति के लिए यादृच्छिक चर R में क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?
4. एक 'अनुजीवन' फलन की परिभाषा करें। 'जोखिम' फलन की परिभाषा में कैसे होती है?
5. 'विनाश संभाव्यता' किस प्रकार एक क्लासिक जोखिम मापक होता है? व्याख्या करें।
6. 'गत्यात्मक फलन विश्लेषण (DFA) क्या है? एक DFA प्रतिमान में ब्याज़ दर के चयन में किन व्यवहारिक बातों का ध्यान रखना चाहिए?
7. इन पर संक्षिप्त **टिप्पणियाँ** लिखें :

   (क) मिश्रित पॉयज़ों प्रक्रिया

   (ख) ब्लेक–स्कोल्स प्रमेय (Black Scholes Theorem)

   (ग) पंजेर आवृर्ति (Panjer Recursion)

   (ग) जोखिम निरपेक्ष मूल्यांकन (Risk neutral evaluation)

एमईसीई–004 : वित्तीय संस्था एवं बाज़ार

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एमईसीई–004
सत्रीय कार्य कोड : एमईसीई–004/सत्रीय कार्य/2021–22
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है और भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का है।

भाग क

1. एक आधुनिक अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली के प्रकृति की व्याख्या कीजिए, उसके मुख्य संस्थाओं, बाज़ार तथा औज़ारों के बारे में समझाते हुए। वित्तीय बाज़ार में कोष–प्रवाह की संकल्पना को समझाइये।

2. मार्कोविट्ज़ के कुशल पोर्टफोलियों चयन की चर्चा कीजिए। पूँजी परिसम्पत्ति मूल्य निर्धारण सिद्धांत इस पर कैसे आधारित है?

भाग ख

3. ब्याज दर की शर्त ढाँचा से संबधित विभिन्न सिद्धांतों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
4. डेरिवटिव मूल्य निर्धारण सबंधित ब्लैक–शोल फर्मुला की चर्चा कीजिए।
5. किसी फर्म के लिवरेज की संकल्पना की चर्चा कीजिए। उपयोग किए जाने वाले मुख्य वित्तीय तथा लिवरेज अनुपातों की चर्चा कीजिए। मर्टन–मिलर प्रमेय समझाइये।
6. द्वैतीय बाज़ारों में जमा प्रणाली को आवश्यकता तथा भूमिका समझाइये। कस्टोडियल सेवा के संकल्पना को समझाइये।
7. स्थिर विनिमय दरों की परिस्थिति में मुद्रा नीति की तुलना कीजिए चर विनिमय दरों की परिस्थिति में मुद्रा नीति के साथ।